has not been found feasible due to operational and resource constraints.

Conversion of metre gauge into board gauge in Manmad-Aurangabad Sector

625. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) by when the project for the conversion of metre gauge in Manmad-Aurangabad sector in broad gauge was scheduled to be completed and what is the revised schedule for its completion;

(b) what are the reasons for delay in the completion of the project;

(c) what was the original estimate and to what extent the cost is likely to escalate due to delay in completion of the project; and

(d) what measures have been taken by Government to accelerate the process of its completion with a view to avoid further escalation in costs?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) and (b) Due to less allotment of funds from 78-79 to 87-88 no target was fixed for completion of Manmad-Aurangabad conversion project. Revised schedule for its completion is March 1992.

(c) The original estimated cost was Rs. 13.00 crores and the the cost of of the project is now estimated to be Rs. 51.05 crores.

(d) Adequate funds and resources have been allotted so that the project is completed during the current year (1991-92).

Demand for a halt at Gate Karepalli in Secunderabad Division

626. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have received representation for opening of a new passenger halt at "Gate Karepalli" between Karepalli and Pocharam halt stations on Dornakal-Bhadrachalam stations in Secunderabad Division;

(b) if so, since when the demand is pending with the railway authorities; and

(c) what are the reasons for delay in taking a decision in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Yes, Sir.

(b) The proposal for opening of a halt station at Gate Karepalli between Karepalli and Pocharam has already been examined but not found feasible both from the engineering and operational points of view.

(c) Does not arise.

Completion of work in the Karur-Dindigul-Madurai Maniyachchi Railway Project

627. SHRI K. K. VEERAPPAN:
SHRI V. GOPALSAMY:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the progress made so far in the Karur-Dindigul-Madurai Maniyachchi Railway Project;

(b) the amount spent so far thereon; and

(c) by when the project is likely to be completed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Karur-Dindigul-Madurai - Maniyachchi-Tuticorin/Talaiyuthu project is being taken up in stages. Parallel BG line from Maniyachchi to Talaiyuthu|Milavittan was commissioned in May, 1985 and assisted siding to Tuticorin Harbour was commissioned in April, 1986. Now BG rail line from Karur-Dindigul was

commissioned in August, 1988. Parallel BG line from Dindigul to Madurai is targetted for completion in 1992-93.

(b) Rs. 76.92 crores.

(c) Work on Madurai-Maniyachchi section has been taken up and its completion would depend upon availability of resources in the coming years.

रेलगाड़ियों में बिना टिकट यात्रा

628. श्री राम प्रकाश मालवीय : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलगाड़ियों में बिना टिकट यात्रा करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है ;

(ख) यदि हां, तो चालू वर्ष और पिछले वर्ष के दौरान अब तक बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए व्यक्तियों की संख्या कितनी है और उनसे जुर्माने की कुल कितनी राशि वसूल की गई है ;

(ग) क्या बिना टिकट यात्रा को रोकने के लिए सरकार का टिकट निरीक्षकों की संख्या में वृद्धि करने का विचार है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी नहीं ।

(ख) वर्ष 1990-91 और अप्रैल से सितम्बर, 91 के दौरान बिना टिकट पकड़े गए व्यक्तियों की संख्या क्रमश: 45.39 लाख और 16.94 लाख थी, संबंधित अवधियों के दौरान उनसे रेलवे के बकाया के रूप में 25.12 करोड़ रुपए और 13.59 करोड़ रुपए वसूल किए गए थे ।

(ग) से (ङ) जहां कहीं औचित्यपूर्ण होता है, टिकट जांच कर्मचारियों के पदों का सृजन करने के लिए रेल उपाय करती हैं ।

मुम्बई रिजर्वेशन कार्यालय में रेल टिकटों का ब्लैक में बेचा जाना

629. श्री विश्वासराव रामराव पाटिल : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मुम्बई बी०टी० तथा मुम्बई सेंट्रल में रिजर्वेशन कार्यालयों में "रिजर्वेशन नॉट अवेलेबल" का बोर्ड हमेशा लगा रहता है जबकि ब्लैक में टिकट हर समय उपलब्ध होती हैं ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि स्टाफ के ही कुछ लोग असामाजिक तत्वों की सहायता से जाली नामों से टिकटें खरीदते हैं ;

(घ) यदि हां, तो इस बुराई को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ;

(ङ) क्या यह सच है कि मुम्बई सैन्ट्रल-दिल्ली मार्ग पर कम रेल गाड़ियां होना चल रहे इस भ्रष्टाचार का एक कारक है ; और

(च) क्या सरकार इस मार्ग पर एक नई रेलगाड़ी चलाने का विचार रखती है ; यदि हां, तो यह रेल गाड़ी कब तक चलाई जाएगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) और (घ) ऐसा कोई मामला नोटिस में नहीं आया है, तथापि, दलालों की अवांछनीय गतिविधियों पर काबू पाने के लिए धोखा-धड़ी विरोधी दस्तों तथा